This question paper contains **4** printed pages]

Your Roll No. .....

2230

B.Ed. **D**

Paper IV (*I*)

METHODS OF TEACHING—ECONOMICS (B)

Time : 1½ *Hours* *Maximum Marks* : 35

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

Attempt *three* questions in all.

Question No. **1** is compulsory.

कुल **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

प्रश्न संख्या **1** अनिवार्य है ।

1. Discuss the challenges faced by an economics teacher at +2 in schools. Define her role in imparting the knowledge of the subject, generate interest, and develop the required attitude among the learners to take the right decisions. 13

+2 स्तर पर एक अर्थशास्त्र-शिक्षक को किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है । विद्यार्थी सही निर्णय ले सकें इसके लिए विषय का ज्ञान कराने, रूचि पैदा करने और उनमें अपेक्षित प्रवृत्ति का विकास करने में उनकी भूमिका को परिभाषित कीजिए ।

2. Considering that economics is an optional subject at the +2 level in schools in our country, what should be the objectives of teaching this subject ? 11

हमारे देश में +2 स्तर पर अर्थशास्त्र को एक वैकल्पिक विषय मानते हुए बताइए कि इस विषय को पढ़ाने के उद्देश्य क्या होंगे ?

3. "Knowledge provided in schools should be linked with real life situations." On the basis of your School Experience Programme, discuss some methods you adopted in establishing such linkages during your lessons. 11

''स्कूलों में दिए जाने वाले ज्ञान का जीवन की वास्तविक स्थितियों से जुड़ाव होना चाहिए ।'' अपने विद्यालय अनुभव कार्यक्रम के आधार पर बताइए कि आपने इस प्रकार के जुड़ाव के लिए कौनसे तरीके अपनाए ?

4. Discuss some techniques of evaluating learning outcomes in economics for +2 classes ? Explain in the context of Continuous and Comprehensive Evaluation introduced by CBSE. 11

अर्थशास्त्र की +2 स्तर की कक्षाओं में सीखे गए ज्ञान का मूल्यांकन करने की तकनीकों की चर्चा, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा अपनाए गए सतत् और व्यापक मूल्यांकन के संदर्भ में कीजिए ।